मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 24 जुलाई 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	24/07/15	25/07/15	26/07/15	27/07/15	28/07/15
वर्षा (मि.मी.)	1	**2**	**3**	**5**	**4**
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	39	39	38	38	38
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	28	28	28	27	27
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	6	6	6	7	7
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	91	90	88	86	88
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	42	48	50	54	55
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	5	6	8	6	5
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

वर्षा की सम्भावना

वर्षा के मौसम में खेत में अधिक खरपतवार पनपते है। अतः किसान भाई समय पर निराई गुडाई कर खरपतवार निकालें।

वर्षा की सम्भावना को देखते हुए दलहनी फसलो में जल निकास का प्रवन्ध करें आवश्यकता से अधिक पानी खेत में जमा न होने दें।

किसान भाई चारे के लिए बाजरा की राज बाजरा चरी 2 व जायन्ट बाजरा किस्मों की बुवाई करें।

मूंगफली की फसल में टिक्का रोग बादल छाएं रहने व आर्द्रता अधिक होने की दशा में तेजी से फैलता है इसके नियंत्र के लिए दो किलो डाइथेन एम–45 प्रति हैक्टयर की दर से 1000 लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें।

मूंग की फसल में पीली चितेरी रोग बुवाई के दो सप्ताह के अन्दर प्रकट होने लगता है रोग के प्रारम्भिक लक्षण पत्तियों पर पीले चितकबरे धब्बे के रूप मे दिखाई पड़ते है अतः रोग नियंत्र के लिए लक्षण दिखाई देने पर मेटासिस्टाक्स का 0.01 प्रतिशत या डाइमेथोएट का 0.3 प्रतिशत घोल बनाकर छिडकाव करें।

नमी युक्त मौसम होने के कारण पशुओं को हवादार स्थान पर रखें व आवश्यकता अनुसार पानी पिलाएं तथा हरा चारा खिलाएं।

(नौडल ऑफीसर)